য়ড়৾ঽয়ঀ৾৾ঀৼয়য়৾ঀয়য়৸য়য়য়য়

कृषायाप्त्राक्ष्यम्भाष्ट्री अर्जन्यम्भाष्ट्रिः

क्ष्या प्राच्या अर्था अर्था अर्था अर्था अर्था अर्था क्षेत्र क

क् युनायि अर्जन स्माया औं सु के सु के सनु सु के पो युनु

क् मुवार्क्या गुम्रमायामित भेरियम्बर्मम् अभिमाने भेरिया है सि सुनू

क्ष तसमायायाः श्रुवामयामा भेषायाः भेषाया । भेषायाः भेषायः भेषायः भेषायाः भेषायाः भेषायाः भेषायाः भेषायः भेषायाः भेषायाः भेषायः भेषायः भेषायः भेषायाः भेषायः भिष्यः भेषायः भेषायः

क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्र क्

म् श्वर्यस्याम् विम्यायद्धाम् देवाल्याः मात्राम्य द्याः स्थान्य स्थाः स

क्ष्यार्त्रियर्व्यस्याया खेँख्र हुँ नहं गुर्यम्य रेहे हुँ।

क्ष गु'रु'र्मार्भिदेश्मळ्द्रस्माया धेँष्प्रु'हुँ। ख'रुमार्ने रुमार्ने रेमान्ये मान्यो पे रुँहुँ स्वत् १

क्र इस्मियास्त्रिस्त्र स्मिया क्रें हुँ युत्र क्रें क्षा सी फ्रिया सी प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र

- में हे पर्द्व र्भ्याया प्राप्त के हिम्म्याया के प्राप्त के प्राप्त
 - है निद्न क्रियासदास्त्र सम्बाधा औं मु मे मुह्य मे पुर्व
- के हे पर्द्व प्रह्म प्राप्त प्राप्त प्राप्त के कि समाया के समी मिन्न के से कि सम्माया के सम्माया क
- क्र न्ययासुमाना से हे दे ते अर्जन स्माया औं नई सू है है।
- क्रिया में मित्र सर्वे स्वाया के ख्रिश सर्हे हैं गार्त्र हैं।
- क्षेत्रभळ्वः स्वाया ५५ त्रा वाके वाके प्राप्तः वाकि प्रापतः वाकि प्राप्तः वाकि प्रापतः वाकि प्राप्तः वाकि प्रापतः वाकि प्राप्तः वाकि प्राप्तः वाकि प्राप्तः वाकि प्राप्तः वाकि प्राप्तः वाकि प्राप्तः वाकि प्रापतः वाकि प्रापतः वाकि प्रापतः वाक

क् म्यमेन्यम्यम्यम्यम्यम् नेन्यमेन्न्यम्यम् द्वेश्यहिरम्यम् द्वेश्यहिरम्यम् द्वेश्यहिरम्यम्

र स्रायिष्ठा हैं प्रायिष्ठा हैं यह मी विकास के स्थान हैं स्रायिष्ठ स्थान हैं स्थान है स्थान हैं स्थान है स्था स्थान है स्था स्थान है स्थान है स्थान है स्थान है स्थान है स्थान है स्थान है

क् हे नर्द्व प्यम्यायाया क्षेया यदि यस्त्र हमाया क्षेया है प्रेय हम्याया क्षेय हि से प्रेय हम्याया हि से प्रेय हम्याया हि से प्रेय हम्याया है से प्रेय हम्याया हम्याया

क्ष न्ययानुषाणु पर्विन विदेश सम्बाषा केषिषु १ हुँ र्ने फ्राया सेष्ट्र स्वा

क्ष्रम्यत्रायम्बर्धा १२ श्रा क्ष्मिः हैं हैं हैं। अर् है ए हैं है ए हैं है ए हैं। यह से पर्वा के स्वा के स्वा क

क्ष्यायाळें दयमायेदाण्चे सळत स्माया ॐ त्र्ये झ्माया के प्राप्त के स्माया के प्राप्त के समाया के प्राप्त के स्माया के प्राप्त के स्माया के प्राप्त के स्माया के प्राप्त के स्माया के स्

क् रें हे से सम्प्रित सक्त स्वामा कें नहीं मान सम्मान स्वामा कें नहीं स्वामान स्वामान

क्र र्नेन लगरायज्ञ गर्या र्नेर शिक्षेर भी क्षेर यहीं ख्रिष्टे के से से सुंदर्भ से स्

क्ष्माञ्चित्रण्वरद्ध्ययण्णमञ्चरमा ध्यात्रेत्रणमञ्चा यात्रियामञ्चा यात्रियामञ्चा यात्रियान्। विष्ठेत्रण्यात्रायान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यात्रायान्। विष्ठेत्रण्यात्रायान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्रेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्ठेत्रण्यान्। विष्यान्। विष्रेत्रण्यान्। विष्यान्। विष्यान्य

कृषिं मुण क्षे प्रदेशवरणे स्थाया व्याप्ति व्याप्ते प्रणाई प्रणाई

क्ष्यत्वर्थः वित्यां स्ट्रिक्षेष्यत् । अर्थः प्रमान्तः विष्यः विषयः विष